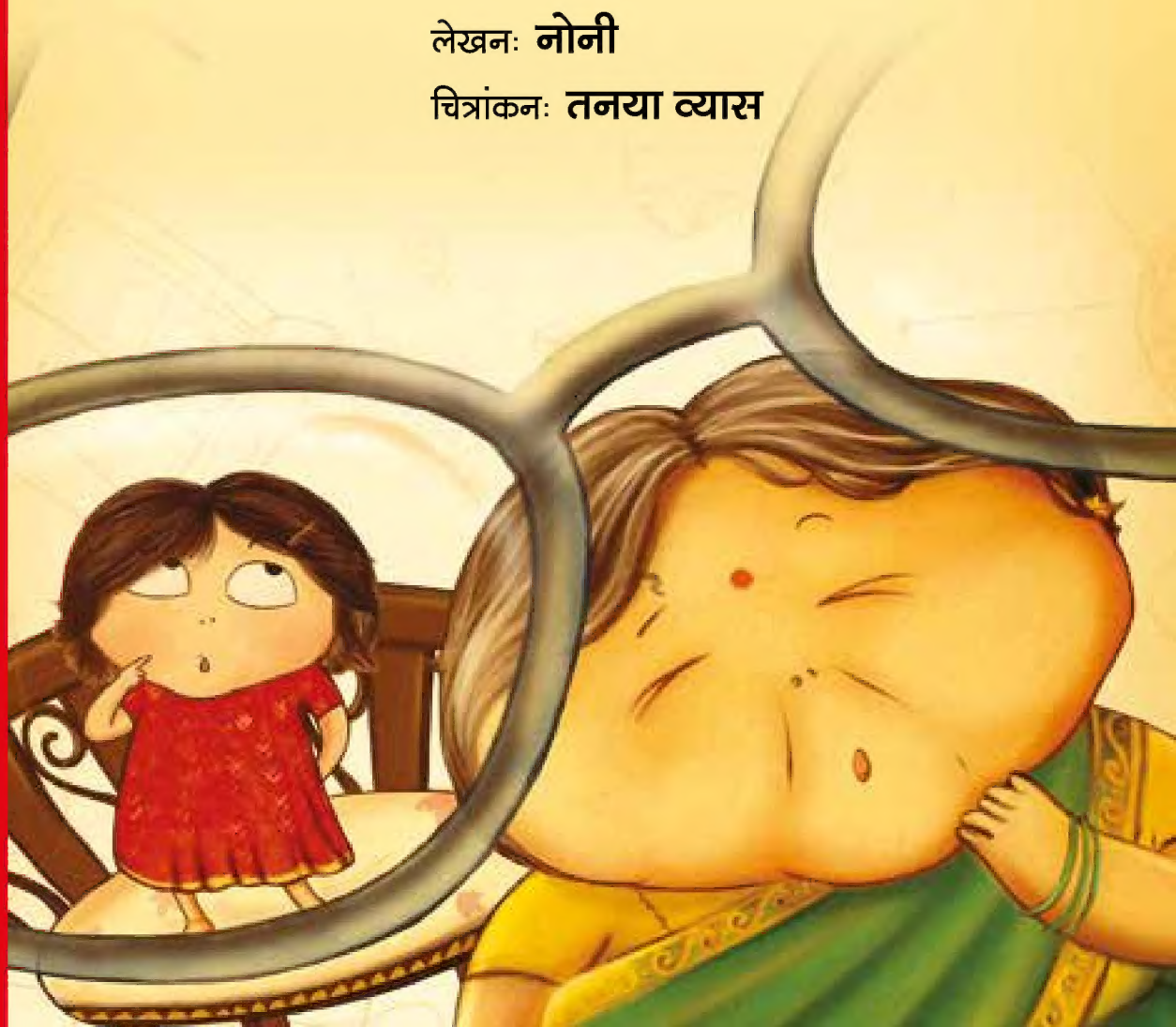




नानी की ऐनक

लेखन: नोनी

चित्रांकन: तनया व्यास



Original Story in English ‘**Grandma’s Glasses**’ by Noni

Illustrations: Tanaya Vyas

‘**Nani Ki Ainak**’ — Hindi Translation by Aarti Smit

© Pratham Books, 2015. Some rights reserved. CC-BY 4.0

First Hindi Edition: 2015

ISBN: 978-93-5022-284-3

Typesetting and layout: Pratham Books, New Delhi

Printed by: Rave India, New Delhi

Published by: Pratham Books

www.prathambooks.org

Registered office:

PRATHAM BOOKS

#621, 2nd Floor, 5th Main, OMBR Layout

Banaswadi, Bengaluru 560 043

T: +91 80 42052574 / 41159009

Regional Office:

New Delhi

T: +91 11 41042483

The development of this book has been supported by

HDFC Asset Management Company Limited

A joint Venture with Standard Life Investments



Some rights reserved. The story text and the illustrations are CC-BY 4.0 licensed which means you can download this book, remix illustrations and even make a new story - all for free! To know more about this and the full terms of use and attribution visit <http://prathambooks.org/cc>.



PRATHAM BOOKS

नानी की ऐनक

लेखन: नोनी

चित्रांकन: तनया व्यास

हिन्दी अनुवाद: आरती स्मित





नानी की ऐनक हमेशा गुम हो जाती है। “मैं कहाँ ढूँढ़, मैंने उसे कहाँ रख दिया?” वह हमेशा कहती रहतीं। अपनी ऐनक के बिना, वह ऐनक नहीं ढूँढ़ सकतीं।



इसलिए उन्हें मेरी ज़रूरत है, उनकी आँखें बनकर उनकी
आँखें ढूँढ़ने के लिए!



कभी उनकी ऐनक बाथरूम में, कभी बिस्तर पर तो कभी
माथे के ऊपर होती।

“नानी! आपका चश्मा आपके सिर पर है,” मैं कहती।



“सचमुच! मैं बड़ी बेवकूफ हूँ। शुक्रिया ऋचा बेटी!” वह हँसती हुई कहतीं।

मगर, इस बार नानी की ऐनक मुझे नहीं मिली ...अब तक तो नहीं!



मैंने उसे हर जगह ढूँढ़ा, जहाँ वह अक्सर रखी रहती।
उनके माथे पर, बाथरूम में,
उनकी अलमारी में, पूजा की जगह पर।



उनकी पसंदीदा कुर्सी के नीचे और खाने की मेज़ पर।
नहीं... कहीं नहीं मिली। कहाँ गई वह ऐनक?



मैंने तय किया कि अब मुझे अच्छा जासूस बनना पड़ेगा।
मैंने जानना चाहा कि नानी ने दिन भर में क्या-क्या किया?



“मैंने आज कुछ ख़ास नहीं किया, सिवाय वीणा की सास से बातें करने के।

तुम्हें तो पता ही है कि वह कितनी गप्पी है! हम दोनों ने कई बार चाय पी और वे सारे लड्डू खा गईं जो तुम्हारी माँ ने बनाए थे।” नानी बोलीं।



राजू ने कहा, “नानी आज बहुत व्यस्त रहीं। वह अपनी पेन्शन के लिए मुख्यमंत्री को पत्र भी लिख रही थीं।”

अम्मा बोली, “वह बहुत देर तक तुम्हारी मौसी से बात भी करती रही थीं। उन्होंने उस स्वेटर को भी पूरा किया, जो वह राजू के लिए बुन रही थीं। फिर वह टहलने निकल गई थीं।”



अब मुझे खोज के लिए कई सूत्र मिल गए। मैंने घर में
तुरंत ही नई जगहों पर ढूँढ़ना शुरू किया।

“अहा! मुझे ऐनक मिल गई!”



ऐनक ऊन में लिपटी पड़ी थी। उनकी कलम के बगल में, फोन के नीचे, मेज़ के ऊपर। और वहीं पर मुझे आधा खाया हुआ लड्डू भी मिला।

मुझे लगता है कि नानी के अगले जन्मदिन पर एक और ऐनक खरीदने के लिए मैं पैसे जमा कर लेती हूँ।



Read India

प्रथम बुक्स २००४ में 'रीड इंडिया' अभियान के अन्तर्गत स्थापित हुई।
'रीड इंडिया' बच्चों में पठन को बढ़ावा देने का देशव्यापी कार्यक्रम है।
प्रथम बुक्स एक गैर-मुनाफ़ा संस्था है जो अनेक भारतीय भाषाओं
में बच्चों के लिये उच्च कोटि की पुस्तकें प्रकाशित करती है।
हमारा ध्येय है 'हर बच्चे के हाथ किताब' पहुँचाना और हम इसके द्वारा
देश भर में बच्चों को किताबों व पठन का आनन्द देना चाहते हैं।
यदि आप इसमें किसी भी तरह से योगदान देना चाहते हैं तो हमें
info@prathambooks.org पर ई-मेल भेजें।



नोनी वह नाम है जिसका उपयोग रोहिणी निलेकनी बच्चों के लिए कहानियाँ लिखते हुए करती हैं। बचपन में वे स्वयं का परिचय इसी नाम से देती थीं। रोहिणी एक लेखिका हैं और एक उदार समाजसेवी भी। वे प्रथम बुक्स की संस्थापक-सभापति रही हैं।



तनया व्यास ने नेशनल इस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन से एनिमेशन में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्हें विभिन्न माध्यमों से नए-नए प्रयोग कर प्रतिदिन कुछ नए और मजेदार चित्र बनाना पसंद है। उन्हें भित्ति चित्र बनाना भी पसंद है। उन्हें नई रोचक चित्रकथाएँ तैयार करने का जुनून है और वे अपने आस-पास की चीज़ों से प्रेरणा लेती रहती हैं।

नानी हमेशा अपनी ऐनक कहीं रखकर भूल जाती हैं।
कभी-कभी उन्हें ऐनक ढूँढ़ने के लिए एक जासूस की
ज़रूरत पड़ती है।

स्तरवार पढ़ना सीखें। पठन स्तर २ की पुस्तक।

पढ़ने की शुरुआत/ सरवर पठन

बहुत छोटे बच्चों के लिये जो
पढ़ना चाहते हैं और कहानियाँ
सुनने को उत्सुक हैं

१

पढ़ना सीखने वाले

उन बच्चों के लिये जो
सरल शब्द पहचानते हैं
और मदद के साथ नये
शब्द पढ़ सकते हैं

२

प्रवीण पाठक

बड़े बच्चों के लिये जो
पढ़ने में प्रवीण हैं

४

३

अपने आप पढ़ने वाले

उन बच्चों के लिये जो
खुद पढ़ने को तैयार हैं



PRATHAM BOOKS

प्रथम बुक्स एक

गैर-मुनाफ़ा संस्था है
जो बच्चों की पढ़ने में
रुचि बढ़ाने के लिये
अनेक भारतीय भाषाओं
में पुस्तकें प्रकाशित
करती है।

www.prathambooks.org

Grandma's Glasses
(Hindi)

MRP: ₹ 30.00

ISBN 978-93-5022-284-3



9 789350 122284 3